(iii) The regular bus service on route no. 249, 114, 140, PTS 247, 901, 923, 933 and 962 are serving Parijat Apartment *en route* and can reach Central Secretariat by availing change-over facilities at Wazirpur Depot I.

In addition to this the services of Route No. 962 operating between Budh Vihar and Central Secretariat are also available.

At present there is no proposal to put additional buses on these routes because of fleet constraints.

Bus service from Patparganj Depot to Anand Parbat

408. DR. RATNAKAR PANDEY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government propose to introduce a new bus service from Patparganj Depot to Anand Parbat to meet the growing demand of Commuters of (1) Nakhana Apartment; (2) Ashirvad Apartment; (3) Balco Apartment; (4) Himalaya Apartment; (5) Mithila Apartment; (6) Meena Apartment; (7) Sahayogi Apartment; (8) Maitri Apartment; and

(b) if so, by when the service is likely to be introduced and if not, the reason therefor?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir.

(b) DTC is not in a position to meet all the demands of the commuters due to fleet constraints.

एक्सप्रेस राजमार्ग परियोजना

409. श्री राम सिंह राठवा: क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि एक्सप्रेस राजमार्ग परियोजना के कार्यान्वयन में विलम्ब हो रहा है;

(ख) इस राजमार्ग परियोजना पर कितनी राशि खर्च करने का प्रावधान था और इसे पूरा करने का निर्धारित समय क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि निर्माण कार्य में विलम्ब होने के कारण इसकी लागत बढ़ने की संभावना है;

(घ) यदि हां, तो इस लापरवाही के लिये कौन व्यक्ति जिम्मेदार हैं और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है; और

(ङ) इस परियोजना का कार्य जल्दी पूरा करने के लिये अभी तक क्या प्रयास किए गये हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) संभवतः माननीय सदस्य, अहमदाबाद-बडोदरा एक्सप्रेस के निर्माण की बात कर रहे हैं। प्रारम्भिक समय सूची को देखते हुए इस एक्सप्रेस वे के निर्माण में विलम्ब हुआ है;

(ख) इस निर्माण कार्य की प्रारम्भिक स्वीकृत लागत 137.20 करोड़ रू० थी और अब इसे दिसम्बर, 1994 तक पूरा किये जाने की योजना है।

(ग) जी, हां।

(घ) परियोजना के कार्यान्वयन में विलम्ब ठेकेदारों के घटिया कार्य निष्पादन के कारण हुआ है, इसलिये अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने का प्रश्न ही नहीं उठता।

(ङ) ठेके संबंधी प्रमुख समस्याओं का निराकरण किया जा चुका है, ताकि ठेकेदार शीघ्रता से कार्य कर सकें।